No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

00201

दिसम्बर, 2018

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) सुनो भूदेव

तुम्हारा कद

उसी दिन घट गया था

जिस दिन कि तुमने

न्याय के नाम पर

जीवन को चौखटों में कस

कसाई बाड़ा बना दिया था ।

(ख) मुझे अनन्त असीम दिगन्त चाहिए
छत का खुला आसमान नहीं
आसमान की खुली छत चाहिए !
मुझे अनन्त आसमान चाहिए !!

(ग) यह सिर्फ़ संयोग की बात है कि आपकी पोती की शादी है । और हम खाने से कहाँ इंकार करते हैं ? शर्त यही है कि खाने के बाद हम अपना पत्तल नहीं उठाएँगे । नेउत कर ले जाते हैं तो सचमुच का सम्मान दीजिए और यह सम्मान अगर आपने दिया तो सबने दिया – क्योंकि आप तो गाँव के सिरमौर हैं ।

(घ) हम सेवादार थे और वे हमारे मालिक । उनके हाथ में हंटर होते, चाकू होते, लाठी-बल्लम होते । वे इनके साथ धर्म, भाग्य और भगवान का हथियार भी इस्तेमाल करते । यही तो हमारा भाग्य है । ऐसा हमें बार-बार याद दिलाया जाता ।

2. 'घृणा तुम्हें मार सकती है' कविता का मर्म उद्घाटित कीजिए । *10*

3. 'आमने-सामने' कहानी में अभिव्यक्त दलित अस्मिता के मुद्दों को रेखांकित कीजिए । *10*

4. पठित कहानियों के आधार पर यह स्पष्ट कीजिए कि दलित समाज के उत्थान में आम्बेडकरवादी चेतना की क्या भूमिका है ? *10*

5. "दलित आत्मकथन दलित जीवन की त्रासदी के मार्मिक दस्तावेज़ हैं" – इस कथन पर विचार कीजिए । *10*

6. दलित कविता के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए । *10*

7. दलित लोक कथा की विरासत ने दलित कहानी पर कैसा प्रभाव डाला है ? विवेचना कीजिए । दलित कहानी की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए । *10*